DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 दिसंबर, 2022

जल जीवन मिशन

❖ प्रसंग

➢ हाल ही में, जल शक्ति राज्य मंत्री ने लोकसभा में कहा कि अगस्त 2019 से, भारत सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में जल जीवन मिशन (JJM)-हर घर जल योजना को लागू कर रही है, जिससे देश के प्रत्येक ग्रामीण घर में 2024 तक नल जल कनेक्शन के माध्यम से पीने योग्य पानी की व्यवस्था की जा सके।

प्रमुख बिंदु

- जल जीवन मिशन की घोषणा के समय, 3.23 करोड़ (17%) घरों में नल के पानी के कनेक्शन होने की सूचना मिली थी।
- इस मिशन के अंतर्गत अब तक, पिछले 3 वर्षों में लगभग 7.48 करोड़ (38%) ग्रामीण परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
- केंद्र सरकार ने ने जून में यह सूचना दी थी कि लगभग 52% ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन हो चुका है।
- तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पुडुचेरी में 80% से अधिक घरों में पूरी तरह कार्यात्मक कनेक्शन होने की सूचना है।
- राजस्थान, केरल, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मिजोरम और सिक्किम में आधे से भी कम घरों में ऐसे कनेक्शन थे।
- गोवा, तेलंगाना और हरियाणा ने सभी घरों में 100% नल कनेक्टिविटी हासिल कर ली है।
- पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली, और दमन और दीव जैसे केंद्र शासित प्रदेशों ने भी अपने 100% घरों को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए हैं।

पूरी तरह कार्यात्मक नल का पानी कनेक्शन

- यह ऐसे परिवारो को परिभाषित करता है जिन्हे वर्ष भर प्रति व्यक्ति प्रति दिन कम से कम 55 लीटर पीने योग्य पानी मिलता है।

जल जीवन मिशन (JJM) के बारे में

- इसे 2019 में लॉन्च किया गया था।
- यह जल शक्ति मंत्रालय के अधीन है।

उद्देश्य

- ग्रामीण भारत के सभी घरों में 2024 तक व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना।
- यह स्थानीय स्तर पर पानी की एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष प्रबंधन पर केंद्रित है।

महत्व

- यह पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- यह मिशन जल के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है।
- यह पानी के लिए एक जन आंदोलन बनाना चाहता है, जिससे यह सभी की प्राथमिकता बन जाए।
- यह नकद, वस्तु और/या श्रम और स्वैच्छिक श्रम में योगदान के माध्यम से स्थानीय समुदायों के बीच स्वैच्छिक स्वामित्व को बढ़ावा देता है और सुनिश्चित करता है।

फंड शेयरिंग

- केंद्र और राज्यों के बीच - 60 :40
- हिमालयी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए - 90:10
- केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100%।

नमामि गंगे परियोजना

सन्दर्भ :-

➢ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भारत की पवित्र नदी गंगा को पुनः जीवंत करने के लिए नमामि गंगे पहल को "प्राकृतिक विश्व "को पुनर्जीवित करने के लिए शीर्ष 10 विश्व बहाली फ्लैगशिप में से एक के रूप में मान्यता दी है।

प्रमुख बिंदु :-

नमामि गंगे के महानिदेशक को 14 दिसंबर 2022, वर्ल्ड रिस्टोरेशन डे पर मॉन्ट्रियल में जैव विविधता पर सम्मेलन (सीबीडी) के लिए COP15 में एक समारोह में यह पुरस्कार प्राप्त दिया गया है।
नमामि गंगे को सम्पूर्ण विश्व के 70 देशों से ऐसी 150 से अधिक पहलों में से चुना गया है।

● इनका चयन यूनाइटेड नेशन संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली पर दशक के बैनर तले किया गया था

● कार्यान्वयन:-
परियोजना निगरानी के लिए त्रि-स्तरीय तंत्र जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं

- राष्ट्रीय स्तर पर NMCG की सहायता से कैबिनेट सचिव के तहत एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स.

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) द्वारा समन्वित एक वैश्विक आंदोलन है।
- इसे पृथ्वी पर प्राकृतिक स्थानों के क्षरण को रोकने और उलटने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

● नमामि गंगे सहित सभी मान्यता प्राप्त इनिशिएटिव अब संयुक्त राष्ट्र का समर्थन, धन या तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए पात्र होंगी।

● नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (NMCG) ने पहले ग्लोबल वाटर इंटेलिजेंस 3 द्वारा ग्लोबल वाटर अवार्ड्स, 2019 में "पब्लिक वाटर एजेंसी ऑफ द ईयर" जीता है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के बारे में

● नमामि गंगे कार्यक्रम', एक एकीकृत संरक्षण मिशन है।

● इसे जून 2014 में 20,000 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ लॉन्च किया गया था।

● उद्देश्य

- राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण, संरक्षण और कायाकल्प के प्रभावी उन्मूलन।

● नोडल मंत्रालय/विभाग

- जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण, जल शक्ति मंत्रालय।

● कार्यान्वयन एजेंसी

- स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी), और इसके राज्य समकक्ष संगठन यानी राज्य कार्यक्रम प्रबंधन समूह (एसपीएमजी)।
- NMCG राष्ट्रीय गंगा परिषद का कार्यान्वयन विंग है
- एनएमसीजी की स्थापना 2016 में हुई थी; जिसने राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन ऑट हॉरिटी - एनजीआरबीए का स्थान लिया
- प्रधानमंत्री द्वारा इसकी अध्यक्षता की जाती है।
- मुख्य सचिव के अधीन एक राज्य स्तरीय समिति, जिसे राज्य स्तर पर SPMG की सहायता मिलती है.
- जिला अधिकारी के अंतर्गत एक जिला स्तरीय समिति।

● धन ;- इस परियोजना का 100% वित्तपोषण केंद्रसरकार द्वारा किया जाता है।

● कार्यक्रम के मुख्य स्तंभ हैं

- सीवेज ट्रीटमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर, रिवर-फ्रंट डेवलपमेंट, रिवर-सरफेस

सफाई, जैव विविधता, वनीकरण, जन जागरूकता, औद्योगिक प्रभाव निगरानी, गंगा ग्राम

● गंगा का महत्व

- गंगा नदी का भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक, पर्यावरण और सांस्कृतिक मूल्य है।
- गंगा भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की 40% आबादी, वनस्पतियों और जीवों की 2500 प्रजातियों और 8.61 बिलियन वर्ग किमी का घर है। गंगा नदी बेसिन, 520 मिलियन से अधिक लोगों का घर है।
- आध्यात्मिक दृष्टि से भी गंगा का बहुत महत्व है।

बांग्लादेश आर्थिक संकट

❖ **सन्दर्भ**

➢ हाल ही में बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद मांगने के लिए पहुंचा है।

मुख्य विचार

- IMF की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बांग्लादेश को IMF की विस्तारित क्रेडिट सुविधा (ECF) और विस्तारित फंड सुविधा (EFF) के तहत $4.5 बिलियन (लगभग 37,000 करोड़ रुपये) की आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।
- बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था ने पिछले दो दशकों से विशेष रूप से 2017 के बाद बेहतर प्रदर्शन कर मजबूत आर्थिक विकास के द्वारा 2020 में प्रति
- नवंबर 2022 में मुद्रास्फीति की दर 8.85% थी जो कि नवंबर 2021 में 5.98% थी।
- बांग्लादेश सामान्य रूप से अपनी निर्यात आय पर अत्यधिक निर्भर रहा है, परन्तु जैसे-जैसे पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएं कमजोर हो रही हैं , वैसे-वैसे पश्चिमी उपभोक्ता बांग्लादेश जैसे निर्यातकों से अपनी मांग बंद कर रहे हैं।
- बांग्लादेश की मुद्रा, टका, आंशिक रूप से अमेरिकी डॉलर में उछाल के दबाव में और आंशिक रूप से बिगड़ते चालू खाता घाटे के कारण कमजोर हुई।
- बांग्लादेशी मुद्रा की कमजोरी ने बांग्लादेश को सर्पिल मुद्रास्फीति की तरफ बढ़ा दिया है क्योंकि सभी आयात अभी भी महंगे हो गए हैं।
- बाहरी मोर्चे में कमजोरी के कारण भी बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त हो गया।

व्यक्ति आय के मामले में भारत को पीछे छोड़ दिया था।

- भारत सहित कई देशों के विपरीत (जहाँ 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद अपने जीडीपी संकुचन हुआ) , बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था इस अवधि के दौरान बढ़ी।

संकट

- आईएमएफ के अनुसार महामारी के दौरान बांग्लादेश की हुई आर्थिक वृद्धि यूक्रेन में रूस के युद्ध से बाधित हुई है।
- इसके कारण चालू खाता घाटा तेजी से बढ़ा है, विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट आई है। इन स्थितियों के फलस्वरूप बांग्लादेश में मुद्रास्फीति बढ़ रही है तथा आर्थिक वृद्धि की रफ़्तार कम हो रही है।
- पिछले दिसंबर में, विदेशी मुद्रा भंडार का मूल्य $46,154 मिलियन था। वर्तमान में केवल $33,790 मिलियन हैं। इसके कुल मूल्यांकन के एक-चौथाई से अधिक की गिरावट हुई है।

आईएमएफ कार्यक्रम के लक्ष्य

- उच्च राजस्व संग्रहण और व्यय के युक्तिकरण के माध्यम से अतिरिक्त राजकोषीय स्थान बनाना।
- यह सरकार को विकास-बढ़ाने वाले खर्च को बढ़ाने के साथ-साथ उच्च सामाजिक खर्च और बेहतर-लक्षित सामाजिक सुरक्षा जाल कार्यक्रमों के माध्यम से कमजोर लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने की अनुमति देगा।
- बढ़े हुए विनिमय दर के लचीलेपन के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना ताकि देश बाहरी झटकों को प्रबंधित कर सके।
- शासन और नियामक पहलुओं को बढ़ाकर वित्तीय क्षेत्र को मजबूत करना।
- अन्य बातों के अलावा व्यापार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का विस्तार करने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाकर विकास क्षमता को बढ़ावा देना।

पेन्नैयार नदी

❖ सन्दर्भ

➢ सुप्रीम कोर्ट ने पेन्नैयार नदी में निर्माण को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच विवादों को हल करने के लिए केंद्र को एक अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद न्यायाधिकरण गठित करने का निर्देश दिया है।

प्रमुख बिंदु :-

- यह नदी कर्नाटक के चिक्काबल्लापुरा जिले में नंदी पहाड़ियों से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले तमिलनाडु से होकर बहती है।
- इसका जलग्रहण क्षेत्र 1,424 वर्ग मील (3,690 वर्ग किमी) है जो कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों में स्थित है।
- यह कावेरी के बाद 497 किमी की लंबाई के साथ तमिलनाडु की दूसरी सबसे लंबी नदी है।
- बंगलौर, होसुर, तिरुवन्नामलाई और कुड्डालोर नदी के किनारे बसे महत्वपूर्ण शहर हैं।
- प्रमुख सहायक नदियाँ चिन्नार, मारकंडा, वानियार और पम्बन हैं।
- नदी पर सिंचाई के लिए बड़े पैमाने पर बाँध बनाए गए हैं(खासकर तमिलनाडु में)।इस नदी को हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है। इस नदी से सम्बंधित त्योहार ताई (जनवरी-फरवरी) को तमिल महीने के दौरान आयोजित किए जाते हैं।

संवैधानिक प्रावधान

● संविधान की अनुसूची 7 एक राज्य के भीतर जल के उपयोग और अंतरराज्यीय जल को विनियमित करने के प्रावधान के मध्य अंतर है।

● संसद को अंतरराज्यीय नदियों को विनियमित करने के लिए कानून और तंत्र बनाने की शक्ति देता है (संघ सूची: प्रविष्टि 56, सूची 1)।

● जल आपूर्ति, सिंचाई और नहरों, जल निकासी और तटबंधों, जल भंडारण और जल शक्ति जैसे उद्देश्यों के लिए पानी के उपयोग के संबंध में राज्य (राज्य सूची: सूची 2 की प्रविष्टि 17 तथा सूची 1 प्रविष्टि 56 के प्रावधानों के अधीन) स्वायत्तता बनाए रखते हैं

● अनुच्छेद 262 के तहत, संसद कानून द्वारा, किसी अंतर्राज्यीय नदी या नदी घाटी में या उसके पानी के उपयोग, वितरण या नियंत्रण के संबंध में किसी भी विवाद या शिकायत के न्यायनिर्णयन के लिए प्रावधान कर सकती है।

● जल विवादों का समाधान अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 द्वारा शासित होता है। इसके प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई राज्य सरकार किसी जल विवाद के संबंध में अनुरोध करती है और केंद्र सरकार की राय है कि जल विवाद को बातचीत से नहीं सुलझाया जा सकता है, तो जल विवाद के निर्णय के लिए एक जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया जाता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

सूर्य किरण -XVI

❖ **सन्दर्भ**

» भारत और नेपाल के बीच भारत-नेपाल संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास "सूर्य किरण-XVI" का 16वां संस्करण 16 से 29 दिसंबर 2022 तक नेपाल आर्मी बैटल स्कूल, सालझंडी (नेपाल) में आयोजित किया जाएगा।

❖ **मुख्य विशेषताएं**

> अभ्यास "सूर्य किरण" भारत और नेपाल के बीच प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

➢ **लक्ष्य**

संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्रों और एचएडीआर में जंगल युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों में अंतरसंक्रियता को बढ़ाने के लिए।

➢ **कार्य**

दोनों सेनाएं इन टुकड़ियों के माध्यम से अपने-अपने देशों में वर्षों से विभिन्न उग्रवाद विरोधी अभियानों के संचालन के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करेंगी.

अभ्यास के दौरान, प्रतिभागी अंतर-संचालनीयता विकसित करने के लिए एक साथ प्रशिक्षण लेंगे और काउंटर इंसर्जेंसी, काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशंस और मानवीय राहत कार्यों पर भी अपने अनुभव साझा करेंगे।

➢ **महत्व**

संयुक्त सैन्य अभ्यास से रक्षा सहयोग का स्तर बढ़ेगा जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे.

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम)

❖ **प्रसंग**

➢ 15 दिसंबर 2022 को यूथ को:लैब, एशिया पैसिफ़िक का सबसे बड़ा युवा नवाचार आंदोलन का 5वां संस्करण संयुक्त रूप से अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग और यूएनडीपी इंडिया द्वारा लॉन्च किया गया है।

❖ **यूथ को:लैब**

- ➢ यूथ को: लैब अटल इनोवेशन मिशन के साथ साझेदारी में यूएनडीपी इंडिया द्वारा 2019 में शुरू की गई एक पहल है।
- ➢ इसका उद्देश्य नेतृत्व, सामाजिक नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए एशिया-प्रशांत देशों में निवेश करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एक सामान्य एजेंडा स्थापित करना है।

❖ **एआईएम के बारे में**

- ➢ नीति आयोग द्वारा 2016 में फ्लैगशिप पहल की स्थापना की गई।
- ➢ इसने छात्रों और अन्वेषकों के औद्योगिक प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए AIM प्राइम, AIM iCREST आदि को भी लॉन्च किया है।

➢ **उद्देश्य**

- देश भर में स्कूल, विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थानों, एमएसएमई और उद्योग स्तरों पर नवाचार और उद्यमशीलता का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और बढ़ावा देने के लिए।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- विभिन्न हितधारकों के लिए मंच और सहयोग के अवसर प्रदान करना।
- जागरूकता पैदा करना और देश के नवोन्मेष पारिस्थितिकी तंत्र की देखरेख के लिए एक छत्र संरचना तैयार करना।

➢ कार्य

- इसके अंतर्गत स्व-रोजगार और प्रतिभा उपयोग के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देना, जिसमें नवप्रवर्तकों को सफल उद्यमी बनने के लिए समर्थन और सलाह दी जाएगी।
- यह युवाओ को एक मंच प्रदान करेगा जहां नवीन विचार उत्पन्न होंगे ।

सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई)

❖ प्रसंग

➢ प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (EAC-PM) 20 दिसंबर, 2022 को भारत के राज्यों और जिलों के लिए सामाजिक प्रगति सूचकांक (SPI) जारी करेगी।

❖ प्रमुख बिंदु

- ➢ यह रिपोर्ट प्रतिस्पर्धात्मकता, सामाजिक प्रगति अनिवार्यता संस्थान द्वारा तैयार तथा भारत के प्रधान मंत्री को आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा अधिदेशित की गई थी।
- ➢ यह रिपोर्ट सामाजिक प्रगति हासिल करने में राज्यों की भूमिका तथा सूचकांक में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है।
- ➢ रिपोर्ट आने वाले वर्षों में निरंतर सामाजिक-आर्थिक विकास प्राप्त करने के लिए नीति निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थकारी और उपकरण के रूप में कार्य करेगी।

❖ एसपीआई के बारे में

- ➢ ➢ एसपीआई एक व्यापक उपकरण है जो राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तर पर देश द्वारा की गई सामाजिक प्रगति का एक समग्र उपाय है।
- ➢ एसपीआई सामाजिक प्रगति के तीन आयामों बुनियादी मानवीय आवश्यकताएं , भलाई के आधार और अवसर पर राज्यों और जिलों के प्रदर्शन का आकलन करता है ।

बेपोर उरु

➢ प्रसंग

जिला पर्यटन संवर्धन परिषद, कोझीकोड ने प्रसिद्ध बेपोर उरु (नाव) के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग के लिए आवेदन किया है।

➢ प्रमुख बिंदु :-

- यह केरल के बेपोर में कुशल कारीगरों और बढ़ई द्वारा दस्तकारी की गई लकड़ी की ढो (जहाज/नाव/नौकायन पोत) है।
- बेपोर उरुस केरल के व्यापारिक संबंधों और खाड़ी देशों के साथ दोस्ती का प्रतीक है.
- आधुनिक तकनीकों का उपयोग किए बिना उरुस विशुद्ध रूप से प्रीमियम लकड़ी से बना है।
- लकड़ी को पारंपरिक तरीके से काटा जाता है जिसके लिए बहुत विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।
- ■ प्रत्येक उरु को बनाने में एक से चार साल लगते हैं तथा यह पूर्ण रूप से हस्तनिर्मित है ।

	▪ बेपोर पहली शताब्दी ईसवी से सम्पूर्ण विश्व के व्यापारियों के लिए एक प्रसिद्ध समुद्री केंद्र रहा है। उरु जहाजों की मांग लगभग 2,000 वर्षों से रही है। ➢ **भौगोलिक संकेत** ▪ यह उन उत्पादों पर उपयोग किया जाने वाला एक चिन्ह है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और ये मूल गुणों या प्रतिष्ठा से युक्त होते हैं ▪ एक भौगोलिक संकेतक का अधिकार किसी तीसरे पक्ष द्वारा इसके उपयोग को रोकने के लिए सक्षम बनाता है ; जिसका उत्पाद वास्तविक मानकों के अनुरूप नहीं है। ▪ हालांकि, एक संरक्षित भौगोलिक संकेतक धारक किसी अन्य को उसी तकनीक का उपयोग करके उत्पाद बनाने से रोक नहीं सकता यदि निर्माण वास्तविक मानकों का पालन कर रहा हो ।
पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम 	❖ **प्रसंग** ➢ अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल बैटरी भेजने जा रहा है। ❖ प्रमुख बिंदु ➢ पैट्रियट सतह से हवा में मार करने वाली निर्देशित मिसाइल प्रणाली है जिसे पहली बार 1980 के दशक में तैनात किया गया था। ➢ प्रत्येक पैट्रियट बैटरी में आठ लॉन्चर के साथ एक ट्रक-माउंटेड लॉन्चिंग सिस्टम होता है। इनमे सभी सिस्टम्स में चार मिसाइल इंटरसेप्टर, एक ग्राउंड रडार, एक कंट्रोल स्टेशन और एक जनरेटर होते हैं । > यह विमान, क्रूज मिसाइलों और कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को लक्षित कर सकता है। ➢ यह सिस्टम नियमित रूप से दुनिया भर में तैनात की जाती हैं। ➢ इन्हे यूरोप, मध्य पूर्व और प्रशांत क्षेत्र तैनात किया गया है जो ईरान, सोमालिया और उत्तर कोरिया के संभावित हमलों से बचाव करते हैं। > इसके अलावा, पैट्रियट्स नीदरलैंड, जर्मनी, जापान, इज़राइल, सऊदी अरब, कुवैत, ताइवान, ग्रीस, स्पेन, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, रोमानिया, स्वीडन, पोलैंड और बहरीन द्वारा संचालित या खरीदे जा रहे हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare